॥ श्रीः ॥

नोट्स लांगमेन्स भूगोल द० ६

अर्थात्

भूगोल एशिया

प्राकृतिक भूगोल सहित

जिसको

मु० रामकुमार साहब से

तहसीली स्कूलों की कक्षा ६ के लिये
तय्यार कराया
और

पं० मुरारीलाल बुकसेलर ने

अपने कृष्णेश्वरी प्रेस मुरादाबाद में
छापकर प्रकाशित किया

क़ीमत] १६२५ [ती‌न आना

भूमिका

आज हम इस नवीन भूगोल के नये (सिलसिले) का तीसरा नम्बर "भूगोल कक्षा ६" पाठकों के सामने रखते हुये ईश्वर का धन्यवाद करते हैं और अपने पाठकों के भी कृतज्ञ होते हैं क्योंकि जिन्होंने इसका पहिला नं० दर्जा ४ और नं० २ भूगोल हिन्दोस्तान को इस चाव से अपना या है कि हमको इनके दूसरे एडीशन का प्रबन्ध करना पड़ा।

इस भूगोल में भी पाठ के आरम्भ में परीक्षा सम्बन्धी प्रश्न रक्खे गये हैं उनको पाठ से पूर्व अवश्य पढ़लिया जावे और प्रश्नों के हल करने का उद्योग किया जावे और फिर पाठ को ध्यान पूर्वक पढ़ने के पीछे अपने उत्तर को पूरा बना लिया जावे।

आज कल इस बात का ध्यान नहीं करना चाहिये कि कुछ वर्षों से भूगोल ने एक नई प्रकृति पकड़ी है और प्रत्यक्ष रूप को दृष्टिगत करते हुए प्राकृतिक वस्त्र पहिन- लिया है तात्पर्य्य यह है कि अब भूगोल के पाठ प्राकृतिक बातों पर राष्ट्रीय की अपेक्षा अधिक ध्यान किया जाता है इसलिये वर्त्तमान लॉगमैन्स भूगोल में प्राकृतिक विभाग के

बिचार से देशों और महाद्वीपों का वर्णन किया गया है इसी कारण हमने भी प्राकृतिक विभाग के विचार से एशिया के भूगोल का वर्णन करना आवश्यक समझा है और इसी रीति में वर्णन है। तिस पर भी कक्षा ६ के करिक्यूलम् के अनुसार प्राकृतिक भूगोल पहिले ही वर्णन किया गया है परन्तु साथ ही साथ भिन्न २ स्थानों पर हमने नोट देदिये हैं कि यह हिस्सा मुल्की विभाग के विचार से अमुक भाग में शामिल है।

यूँ तो भूगोल का विषय एक अथाह सागर है जितना भी पढ़ा जावे और पढ़ाया जावे कम है परन्तु कक्षा ६ के कोर्स में एशिया के सम्बन्धी इस विषय की पूरी योग्यता हो सकती है इस लिये विषय को बढ़ाना व्यर्थ समझा गया आशा है कि पाठक इसे अपनायेंगे।

आपका लेखक

प्राकृतिक भूगोल

प्रश्न

(१)—मनुष्य के जीवन के वास्ते कौन २ वस्तु आवश्यक हैं।

(२)—हवा के मुख्य परमाणु बतलाओ और प्रत्येक से क्या लाभ हैं।

(३)—शीतोषण से क्या समझते हो और उसको अनुभव द्वारा कैसे समझाओगे।

(४)—गर्मी में सुराई का पानी क्यों ठण्डा रहता है जाड़ों में मुंहसे भाप क्यों निकलती है बरसात में क्यों पंखे की अधिक आवश्यकता होती है।

हवा के जानने की रीति।

(१)—अगर ज़ोर से हाथ चलावें तो हाथ में कुछ लगता हुआ मालूम होता है।

(२)—अगर हवा कम चलती हो और आग जलाई जावे तो पत्तियां आदि उड़ कर उसमें आजाती हैं।

(३)—यदि ध्यान पूवक देखा जाय तो पेड़ की पत्तियें कुछ हिलती सी मालूम पड़ती हैं।

हवाके परिमाणु—हवा में कई गैस शामिल हैं (१) आक्सीजन जो बहुत ज़रूरी है और कुलका $\frac{1}{5}$ भाग है (२) नईट्रोजन यह कुलके $\frac{4}{5}$ भाग से कुछ कम है। (३) कार बोलिक एसिडगैस (४) गर्द के परिमाणु (५) पानी की भाप।

लाभ—(१) हवा के द्वारा गर्मी और रोशनी फैलती है (२) हवा के द्वारा भाप उड़ती है और एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाती है (३) हवा के द्वारा जानदार सांस लेते हैं जिस्से सब का जीवन है मनुष्य आक्सीजन खाते हैं पौदे नाईट्रोजन खाते हैं। कार्बोलिक एसिडगैस कोयला आदि जलानेके काम आती है।

ऊष्णता--पानी सूरज की गर्मी से भाप बन कर हवामें मिल जाता है इसी को ऊष्णता कहते हैं।

शीतलता--जब भाप पानी की सूरत में हो जाती है तो उसे शीतलता कहते हैं।

भाप का प्रभाव--भाप से वस्तु ठण्डी होजाती है।

उदाहरण--(१) गर्मियों में मकानों में ख़स की टट्टी लगाते हैं उसपर पानी छिड़कदिया जाता है तो जो हवा बाहर से आती है तो उसकी गर्मी पानी को भाप बनाने में ख़र्च होजाती है पस अन्दर ठण्डी खुशबूदार हवाजाती है

(२) सुराई में पानी भाप के कारण से ठण्डा रहता है क्योंकि सुराई के मसाम छीदे होते हैं जिसपर गीला कपड़ा ढका रहता है पस हवाकी गर्मी इस कपड़े की तरी भाप बनाने में उड़जाती है। और पानी को ठण्डी हवा लगती है जिसके कारण पानी ठण्डा हो जाता है।

हवा में पानी की भाप--हवा में हर समय पानी की भाप स्थित रहती है। और वह हवा को ठण्डा करके निकाली जासकती है। अनुभव इस प्रकार कर सकते हैं कि एक शीशे के गिलास में बर्फ भर कर रखदो थोड़ी

देर के बाद गिलास के ऊपर पानी की बूदें दिखाई देंगी वही क्रिया ठण्ड कहलाती है ।

नोट—(१) गर्म हवा पानी की भाप को ज़्यादा सोखती है । (२) ठण्डी हवा भाप को नहीं रोक सकती । (३) तर हवा भाप नहीं बना सकती इसी कारण से बरसात में शरीर का पसीना कम सूखता है (४) हवा ऊपर चढ़ कर फैलने के कारण ठण्डी होजाती है ।

चलने वाली हवायें ।

प्रश्न

(१) हवा कैसे चलती है और कैसे पैदा होती है ?

(२) चलने वाली हवायें कौन २ सी हैं ।

(३) गर्मी और जाड़े के मानसून में क्या अन्तर है ? और इनके चलने का क्या कारण है । दोनों का प्रभाव अलग २ क्या होता है ।

(४) आँधी किसे कहते हैं और लू से क्या समझते हो ?

(५) संयुक्त प्रान्त में वर्षा कौनसे मानसून से होती है ?

मानसून—वे हवायें हैं जो ६ मासतक एक ही दिशा को चला करती हैं ।

हवा चलने के कारण—क्योंकि हवा कहीं भारी होती हैं और कहीं हलकी जब हवा गर्म होकर हलकी हो जाती है और हलकी हवा ऊपर को उठ जाती है तो उसकी जगह भारी हवा आ जाती है बस इसी प्रकार सिलसिला बँधा रहता है ।

गर्मी का मानसून—गर्मी के मौसम में जो समुद्र की ओर से स्थल की ओर चलती है उसे गर्मी का मानसून कहते हैं पर भारतवर्ष में इसको दक्षणी पश्चिमी मानसून और चीन में दक्षणी पूर्वी मानसून कहते हैं।

कारण—क्योंकि गर्मी में सूरज की गर्मी जाड़ों से अधिक होती है उतनी ही सागर पर भी पड़ती है परन्तु जमीन जल्दी गर्म होजाती है और समुद्र देर में इसलिये ज़मीन पर की हवा गर्म होकर ऊपर उठती है और समुद्र की ओर से हवा ज़मीन की ओर को चलती है।

प्रभाव—क्योंकि यह हवा समुद्र पर होकर आती है इसलिये ऐशिया के दक्षणी और पूर्वी भागों में खूब वर्षा होती है।

जाड़ों का मानसून—जाड़ों के मौसम में जो हवा स्थलसे समुन्द्र की ओर चलती है उसको जाड़ों का मानसन और भारतवर्ष में उत्तरी पूर्वी मानसून कहते हैं।

कारण—चूंकि समुद्र का धरातल जाड़ों में स्थल की अपेक्षा गर्म रहता है क्योंकि (स्थल) खुशकी तो गर्मी के मौसम की आई हुई गर्मी को जल्द निकालदेती है और समुद्र सुरक्षित रखकर धीरे २ निकालता है। इस लिये स्थल की हवा ठण्डी और भारी होकर समुन्द्र की ओर को चलने लगती है

प्रवाभ—क्योंकि यह हवा स्थल की ओर से आती है इसलिये खुश्क होती है परन्तु देर तक समुद्र के ऊपर

रहने के कारण तर होजाती है यह सूरत बङ्गाल की खाड़ी में होती है इस वजह से मद्रास प्रान्त और लङ्का में अच्छी वर्षा होजाती है ।

नोट—(१) तेज हवा को आँधी कहते हैं (२) जो हवा सालभर तक एक ही ओर से चलती हैं यह ट्रेडविंडस् कहलाती हैं (३) कुछ हवायें ऐसी भी हैं जो दिन में दो बार रुख बदलती है जिनको स्थली और समुद्री कहते हैं ।

हवा के प्रभाव से पानी की भिन्न २ सूरतें

प्रश्न

(१) निम्न लिखित से क्या समझते हो उनका परस्पर अन्तर भी बताओ ।

फाग--कुहरा-ओस-बादल-अकाल ।

(२) बारिश कैसे होती है विस्तार सहित समझाओ

(३) अकाल पड़ने के कारण बताओ ।

(४) तिब्बत में लासा दूसरे स्थानों की अपेक्षा गर्म है ।

(५) बंगाले की खाड़ी का पानी उत्तरी हिन्दोस्तान की सैर करके कैसे लौट जाता है ।

ओस--पानी की वह छोटी २ बूंदें जो सुबह को ज़मीन पर या घास आदि चीज़ों पर पड़ी हुई दिखाई देती हैं उसको ओस कहते हैं ।

कारण--रात को चीजें खुली पड़ी रहती हैं उनकी

गर्मी निकल जाती है इस लिये वह ठण्डी होजाती हैं और भाप से भरी हुई हवा जब उनको छूती है तो ठंड के कारण से पानी की सूरत में बदल जाती हैं।

कुहरा—जाड़े के दिनों में संध्या के समय जब कि हवा एक बारगी सर्द हो जाती है और भाप उन गर्द के परिमाणुओं पर जो कि हवा में मिले रहते हैं जम जाते है और हवामें उड़ने लगते हैं इसे कोहरा कहते हैं।

नोट—(१) पृथ्वी से चन्द फ़िट की दूरी तक ऐसा ही होता है।

(२) प्रायः सुबह को भी कोहरा पड़ता है जो अधिकता तालाबों और नदियों के किनारों पर पड़ा करता है।

फ़ाग—कोहरा जो बहुधा भाप और धुंए के मिलने से बनता है फाग कहलाता है कहीं २ उसको धुन्धी भी कहते हैं। यह प्रायः बड़े २ शहरों के निकट जहां तिलों का धुंआ होता है पड़ा करता है।

बादल—जब फाग हवा में बहुत ऊँचाई पर बनता है तो बादल कहलाता है या यूँ समझो कि बादल नन्हीं २ बूंदों का समुह है जो पृथ्वी से चार पांच हज़ार फ़िटकी ऊंचाई पर हवा में उड़ते दिखाई देते हैं।

कारण—जब हवा गर्म होकर ऊपर उठती है तो फैल जाती है और ठंडी हो जाती है तब उसमें भाप की रोकने की शक्ति नहीं रहती इसलिये वह गर्द के परिमाणुओं परवे जम जाते हैं और बादलकी सूरत में दिखाई देने लगते हैं

वर्षा का कारण-(१) हवा का गर्म अक्षांश से शीतांश की ओर चलना उत्तरी यूरुप और पच्छिमी साइबेरिया में मुख्य यही कारण है।

(२) जबहवा ऊपर की तरफ़ चढ़ती है तो बहुत से स्थानों पर वर्षा का यही कारण होती है।

अनुभव--जब बाईसकिल के ट्यूब में पिचकारी भरते हैं तो पिचकारी गर्म होजाती है।

कारण--क्योंकि हवा इस सूरत में दबती है और दब कर चीज़ें गरम हो जाती हैं।

(२) हवा भरे हुए ट्यूप का वालू खोलने पर यदि उसके मुंह पर उंगली रक्खे तो हवा ठन्डी मालूम होगी

कारण--इस सूरत (दशा) में हवा फैलती है और ठंडी हो जाती है।

फल- जब हवा के मार्ग में पर्वत श्रेणी या सेटों का सिरा आजाता है तो हवा उस पर चढ़ती है और फैल जाती है और फैल कर सर्द हो जाती है इसी कारण पानी बरसता है।

(२) देश के गर्म हिस्से के निकट की हवा गर्म होकर ऊपर उठती है जितनी ऊपर उठती है उतनी ही ठंडी हो जाती है यदि इस हवा में तरी होती है तो गर्द के परिमाणुओं पर जम कर बादल बन जाता है और अधिक सर्दी मिलने पर बरस जाता है।

अकाल--कम वर्षा होने को अकाल कहते हैं या अधिक वर्षा के कारण अन्न नष्ट हो जाता है।

गर्मी निकल जाती है इस लिये वह ठण्डी होजाती हैं और भाप से भरी हुई हवा जब उनको छूती है तो ठंड के कारण से पानी की सूरत में बदल जाती हैं।

कुहरा—जाड़े के दिनों में संध्या के समय जब कि हवा एक बारगी सर्द हो जाती है और भाप उन गर्द के परिमाणुओं पर जो कि हवा में मिले रहते हैं जम जाते है और हवामें उड़ने लगते हैं इसे कोहरा कहते हैं।

नोट—(१) पृथ्वी से चन्द फ़िट की दूरी तक ऐसा ही होता है।

(२) प्रायः सुबह को भी कोहरा पड़ता है जो अधि-कता तालाबों और नदियों के किनारों पर पड़ा करता है।

फ़ाग—कोहरा जो बहुधा भाप और धुंए के मिलने से बनता है फाग कहलाता है कहीं २ उसको धुन्धी भी कहते हैं। यह प्रायः बड़े २ शहरों के निकट जहां तिलों का धुंआ होता है पड़ा करता है।

बादल—जब फाग हवा में बहुत ऊँचाई पर बनता है तो बादल कहलाता है या यूँ समझो कि बादल नन्हीं २ बूंदों का समुह है जो पृथ्वी से चार पांच हज़ार फ़िटकी ऊंचाई पर हवा में उड़ते दिखाई देते हैं।

कारण—जब हवा गर्म होकर ऊपर उठती है तो फैल जाती है और ठंडी हो जाती है तब उसमें भाप की रोकने की शक्ति नहीं रहती इसलिये वह गर्द के परिमाणुओं परसे जम जाते हैं और बादलकी सूरत में दिखाई देने लगते हैं

वर्षा का कारण-(१) हवा का गर्म अक्षांश से शीतांश की ओर चलना उत्तरी यूरुप और पच्छिमी साइबेरिया में मुख्य यही कारण है ।

(२) जबहवा ऊपर की तरफ़ चढ़ती है तो बहुत से स्थानों पर वर्षा का यही कारण होती है ।

अनुभव--जब बाईसकिल के ट्यूब में पिचकारी भरते हैं तो पिचकारी गर्म होजाती है ।

कारण--क्योंकि हवा इस सूरत में दबती है और दब कर चीज़ें गरम हो जाती हैं ।

(२) हवा भरे हुए ट्यूब का वालू खोलने पर यदि उसके मुंह पर उंगली रक्खे तो हवा ठन्डी मालूम होगी

कारण--इस सूरत (दशा) में हवा फैलती है और ठंडी हो जाती है ।

फल- जब हवा के मार्ग में पर्वत श्रेणी या सेटों का सिरा आजाता है तो हवा उस पर चढ़ती है और फैल जाती है और फैल कर सर्द हो जाती है इसी कारण पानी बरसता है ।

(२) देश के गर्म हिस्से के निकट की हवा गर्म होकर ऊपर उठती है जितनी ऊपर उठती है उतनी ही ठंडी हो जाती है यदि इस हवा में तरी होती है तो गर्द के परिमाणुओं पर जम कर बादल बन जाता है और अधिक सर्दी मिलने पर बरस जाता है ।

अकाल--कम वर्षा होने को अकाल कहते हैं या अधिक वर्षा के कारण अन्न नष्ट हो जाता है ।

कारण(१)-हवा शीतांशसे गर्मांश की ओर को चलना।

(२) किसी पहाड़ी ढाल से उतर कर हवा का दब जाना और गर्म होकर तरी को सोख लेना।

नोट—जब हवा एक पर्वत श्रेणी को तै कर देती है तो दूसरी ओर गर्म और खुश्क हवा की सूरत में चलने लगती है जैसे कि लासा और उसके निकट की बस्तियां शेष देश की अपेक्षा गर्म हैं।

नोट—बर्फ, पाला, और हिम भाप भी पानी के बदले हुए रूप हैं।

(३) हिन्द महा सागर का पानी उत्तरी हिन्दोस्तान की सैर करके लौट जाता है क्योंकि गर्मियों में हिन्द महासागर से मानसून उठता है जिससे उत्तरी हिन्दोस्तान में वर्षा होती है और वह नदियों के-द्वारा जो कि बङ्गाल की खाड़ी से आकर मिलती हैं फिर लौट आता है।

ज्वालामुखी और भूकम्प

प्रश्न—क्या प्रमाण है कि पृथ्वी में गरमी है।

(२) भूकम्प और ज्वालामुखी में क्या सम्बन्ध है और दोनों का कारण भी बताओ।

(३) भूकम्प किसे कहते हैं उससे क्या २ हानियां होती हैं।

(४) ज्वालामुखी से क्या २ चीजें निकलतीं हैं और लावा से क्या समझते हो!

रीति—गर्म वस्तुएं धीरे २ ठंडी हो जाया करती हैं और ठंडी होकर सुकड़ जाया करती हैं।

पृथ्वी की आरम्भिक दशा—आरम्भ में पृथ्वी एक आग का गोला था जो धीरे २ ठंडा होता गया और लाखों वर्ष में उसकी ऊपरी धरातल ऐसी सर्द और कठर (दृढ़) होगई जैसी की अब हम देखते हैं परन्तु उसके भीतर अबभी गर्मी है और यहभी धीरे २ निकलती रहती है।

गर्मी होने का प्रमाण--(१) ज्वालामुखी पहाड़ों का होना और भूकम्प का आना।

(२) प्रायः स्थानों में गर्म पानीके स्रोते पाये जाते हैं।

(३) गहरी खाने खोदने से गर्मी मालूम होती है।

भूकम्प--जब पृथ्वी का कोई भीतरी भाग ठंडा होकर सुकड़ जाता है तो ऊपर के पर्त से अलहदा होकर नीचे को धस जाता है नीचे की तह एक वार्गी टूट जाती है और एक धक्का सा लगजाता है इस धक्के की हरकत (प्रभाव) ऊपर तक आतीहै और फैल जाती है इसीको भूकम्प कहते हैं।

हानियां--(१) मकानात गिर पड़ते हैं बहुधा इनमें आदमी दब कर मर जाते हैं।

(२) समुद्र पहिले तो कुछ पीछे हटता है फिर साहिल पर बढ़ आता है और सब चीज़ों को बहा लेजाता है।

प्रायः ऊँचे स्थान नीचे और नीचे स्थान ऊँचे हो जाते हैं।

नोट--भूकम्प प्रायः ऊँचे पहाड़ों के निकट आया करते हैं एशिया में जापान और पूर्वी साहिलों पर आया करते हैं।

ज्वालामुखी--ऐसे पहाड़ों को कहते हैं जिनके मुँहसे जो कि सुराही नुमा होता है आग या धुँआ आदि निकलता है ज्वालामुखी कहलाता है।

कारण--चूँकि पृथ्वी के भीतर गर्मी मौजूद है पस जब इसमें किसी कारण से पानी पहुंच जाता है तो भाप बनती है और ऊपर निकलने का उपाय करती है जब उसे कोई स्थान मिलता है तो उसी छिद्र में होकरके पिघलती हुई चट्टान और राख बाहर निकलने लगती है।

ज्वालामुखी से निकलने वाले पदार्थ ।

(१) लावा पिघलीहुई चट्टान, (२) गर्म राख (३) भाप।

ज्वालामुखी के स्थान और प्रकार—आज कल के सब ज्वालामुखी समुद्र के निकट होते हैं और तीन प्रकार के होते हैं।

(१) प्रचलित (२) गुप्त (३) शान्त,

हानियां--लावा मुँहसे बाहर निकलकर बहने लगता है उसकी धारके सामने जो वस्तु आती है उसको जलाता फूंकता चला जाता है जिस गाँव में यह पहुँच जाता है वहाँ वाले कुछ भी नहीं उठा सकते खुद मुश्किल से जान बचाकर भागते हैं (२) हवामें गर्म राख उड़ कर आग लगादेती है और पेड़ोंको जला देती है।

लाभ--ज्वालामुखी के प्रकट होनेके समय हवा राख मिलने के कारण काली हो जाती है और यह राख जहाँ तहाँ गिरती है उस पृथ्वी को उपजाउ बना देती है।

नोट--भूकम्प प्रायः ज्वाला मुखी के कारण आया करते हैं।

राज्य सम्बन्धी भूगोल

एशिया

प्रश्न

(१) तुम्हारा देश किस महाद्वीप का भाग है उसकी बड़ाई के कारण लिखो।

(२) क्या यह सत्य है कि एशिया पठारा का प्रायद्वीप है

(३) एशिया की प्राकृतिक दशा विस्तार पूर्वक दिखाओ

(४) एक नक्शा बनाओ जिससे एशिया के बड़े द्वीप, पहाड़ तथा प्रायद्वीप, नदियाँ और खाड़ियाँ प्रगट हों।

नाम पड़ने का कारण-(१) यह शब्द ऊषा से बना है जिसका अर्थ पौफटने का (उजाला) है और चूँकि यह महाद्वीप यूनान से पूरब की ओर है और पूरब में पहले पौफटती है (उजाला होता है) इस कारण यूनानियोंने इसका नाम एशिया रक्खा था।

(२) कोई २ लोग कहते हैं कि यह शब्द इस्ट से (पूरब) ईस्टिया से बना है जिसका अर्थ पूरब है और पश्चमी देश वालोंने इसे पूरब में होने के कारण इसका नाम ईस्टिया रक्खा हो जो फिर बदल कर एशिया होगया है।

सीमा—उत्तर में उत्तरी महासागर पूरब में स्थिर महासागर दक्षिण में हिन्दमहासागर पश्चिम में यूरोप महाद्वीप और आफ्रीका रूमसागर, लालसागर है।

नोट—बैरंग के मुहाने से, अमेरिका से, स्वेज नहर से अफ्रीका से, और डारड नेलस मुहाने से तथा यूराल पर्वत से यूरोपसे जुदा होगया है।

प्राकृतिक दशा--मैदान-एशिया का उत्तरी मैदान जिस का ढाल उत्तर को है परन्तु दक्षिण पश्चिम कोभी इस मैदान के कुछ भाग का ढाल है क्योंकि इस भागकी नदियाँ उत्तरी महासागर तक नहीं पहुंचतीं बल्कि कैस्पियन सागर और अरलसागर में गिर जाते हैं यह मैदान सबसे बड़ा है

साहिली मैदान—(१) यह बड़ी नदियोंकी वादियां हैं जैसे अमूर, यांगटिसी क्यांग आदि की वादियां बड़ी उपजाऊ हैं इसलिये आबादी भी इन्हीं मैदानों में है ।

(२) पूरवमेंअमूर, हागहू-यांगटिसीक्यांग-सीक्यांगके मदान दक्षिण में मीक्यांग-एरावती-गंगा-और फुरात के मैदान हैं

(३) पर्वत श्रेणिया एशिया के मध्य में एक सिरेसे दूसरे सिरे तक एक पट्टी पर्वतों की है यह पूरव में चौड़े और बीच में तंग और पश्चिम में फैले हुए हैं यह पहाड़ बहुत से पठारों का समूह है

मुख्य (सेटो)—एशियाए कोचक-ईरान-पामीर-तिब्बत मंगोलिया मध्य भाग के सेटो हैं और दक्षिणी हिन्द-अरब दक्षिणी सेटो हैं जो और पठारों से नदियों की वादियों के कारण जुदा हो गये हैं

पहाड़—एशिया में पामीर से पाँच बड़ी श्रेणियां पहाड़ों की फैली हुई हैं

(१) हिमालय की श्रेणी (२) कोनलू (३) थ्यान शियन अल्टाई सहित (४) सुलैमान पर्वत (५) हिन्दुकश और अल्बुर्ज व अरारात सहित

एशिया के निकट के सागर आदि।

महासागर	सागर	गिरने वाली नदियां	द्वीप
(१) उत्तरी महा सागर	×	ओबी यनसी लीना	ह्वांगहू-यांग
(२) स्थिर महा सागर	बेरिंग सागर-ओकटस्क जापानसागर चीनसागर	अमूर-टिसीक्यांग सीक्यांग मीकांग	फिलपाइन-क्यूराइल सखालीन—फारमूसा द्वीप समूह पूर्वी
(३) हिन्द महा सागर	बँगाल सागर-अरबसागर लाल सागर-रूम सागर	एरावदी-गगां-सिन्ध दजला-फुरात	लङ्का—अण्डमान निकोबार—लकद्वीप मालद्वीप

अन्तरीप—पूरबी अन्तरीप उत्तर में-मोपाटका पूरब में कम्बोडिया-रोमानिया-निग्रेस-कुमारी अन्तरीप तथा रासुलहद दक्षिण में-बाबा अन्तरीप एशियाएकोचक में।

खाड़ियां—ओबी-यनसी-लीना की खाड़ी उत्तर में-अनाडर-टानकिन श्याम-मर्तवान-बंगाल-फारिस-अदन-की खाड़ियां दक्षिण में हैं

झील—मीठे पानी की-टंगरीनूर-मानसरोवर-रावनहद डल-उलर-और खारी पानी की अरल-कास्पियन-साँभर-मुर्दार-आदि झीलें प्रसिद्ध हैं

प्रायद्वीप—केमिसकटका--हिन्दचीनी--मलाया दक्षिण हिन्दुस्तान-अरब-एशियाएकोचक

एशिया की प्रसिद्धता-(१) विस्तार में सब महाद्वीपों से बड़ा है (२) दुनिया में सबसे ऊँचा पहाड़ हिमालय और सबसे नीचा स्थान झील मुर्दार इसी महाद्वीप में है (३) मनुष्यों और मतों का निकास भी इसी महाद्वीप से हुआ क्योंकि सबसे प्रथम मनुष्यों का झुँड मध्य एशिया में रहता था यहीं से सब स्थानों में फैला आर्यमत तथा अन्य बुद्ध-ईसाई-मुसलमान मतों के प्रचारक नेता भी एशिया में पैदा हुए थे॥

एशिया का जल वायु

प्रश्न

१—मौसम और आबो हवा से क्या समझते हो इनके वास्ते क्या २ चीजें ज़रूरी हैं

३—मस्त वायु किन २ बातों पर निर्भर है (३) एशिया की आबो हवा पर खूब बहस करो अर्थात किस भाग की आबो-हवा कैसी है और क्यों ४) एशिया के मध्य विभाग में जाड़ोंमें जाड़ा और गर्मीयों में गर्मी क्यों अधिक होती है

मौसम—प्रति दिनकी गर्मी सर्दी और तरी के मजमुई औसत को मौसम कहते हैं इस के लिये गर्मी और तरी की बड़ी आवश्यकता है

जल वायु—रोज़ाना मौसम के सालाना औसत को आबोहवा कहते हैं इसके वास्ते सूरज की गर्मी और वारिशकी तादाद जरुरा है

जलवायु के साधारण नियम—(१) जो स्थान भूमध्य रेखा के निकट होते हैं वे दूरवालों की अपेक्षा गर्म होते हैं (२) जो स्थान पहाड़ों पर होते हैं वे सर्द होते हैं (मैदानी स्थानों की अपेक्षा) चाहे वे एकही अक्षाँस परहों चाहे भूमध्यरेखा से एकही फासले पर हों (३) समुद्री तट के स्थानों की आबो हवा में शीघ्र परिवर्तन नहीं होता जितना कि समुद्र से दूर वाले स्थानों में होता है अर्थात समुद्र तटके स्थान गरमियों में सर्द तथा जाड़ों में गर्म रहते हैं दूर वाले स्थानों की अपेक्षा (४) समुद्र के निकट वाले स्थानों में अधिक वर्षा होती है यदि वे मानसून के रुख़ पर हों (५) पहाड़ी ढलान जो समुद्र की ओर मानसून के रुख़पर होते हैं उनमें वर्षा अधिक होती है दूसरे रुख़पर होने की अपेक्षा।

एशिया की आबो हवा—चूँकि एशिया बहुत बड़ा महाद्वीप है भूमध्य रेखा से लेकर उत्तरीध्रुव तक फैला

हुआ है इसके निकट समुद्र भी है पहाड़ भी बहुत हैं इस कारण इस महाद्वीप में हर प्रकारकी आबो हवा मौजूद है

(१) दक्षिणी एशिया गर्म है नियम १ के अनुसार

(२) मध्य एशिया पहाड़ों के कारण ठंडा है नियम २ के अनुसार।

(३) मध्य एशिया का मैदानी भाग गर्मियों में गर्म जाड़ों मे सर्द रहता है नियम २ के अनुसार।

(४) एशिया का दक्षिणी पूर्वी भाग मानसून के रूपपर है और उत्तरी पच्छमी दूसरी ओर इसलिये दक्षिणी, पूर्वी भाग में काफी वर्षा होती है परन्तु उत्तरी, पच्छमी में बहुत कम।

(५) एशिया का उत्तरी भाग अधिक सर्द है क्योंकि उत्तरी ध्रुव के निकट हैं साल भर तक वर्फ जमी रहती है।

प्राकृतिक तथा मानुषिक उद्योग

प्रश्न

(१) पैदावार के लिये किन २ वस्तुओं की आवश्यकता है आबोहवा से उसका क्या सम्बन्ध है।

(२) एशिया के कौनसे भाग सदा उजाड़ रहेंगे और क्यों ?

(३) उदाहरण से समझाओ कि मनुष्य प्राकृतिक दशा को कैसे तबदील कर सकता है और कब विवश है।

(४) क्या पशु भी आबोहवा से सम्बन्ध रखते हैं उत्तर उदाहरण सहित दो।

पैदावार के वास्ते जरूरी चीजें—(१) आबोहवा के अनुसार ही पैदावार होती है चूंकि पैदावार के लिये सूबे

की गर्मी ज़रूरी चीज़ है इसलिये उत्तरी भाग में कुछ पैदावार नहीं होती।

(२) पैदवार के लिये दूसरी वस्तु जमीन है जो जमीन नदियों पर हमवार होती है और मैदान होती है खेती के योग होती है जा जमीन पथरीली कसरीली होती है खेती के योग नहीं।

(३) तीसरी जरूरी चीज़ वर्षा है।

पशु तथा जन्तु—प्रकृतिने जानवरों (पशुओं) को आबो-हवा के अनुसार बनाया है जैसे उत्तरी एशिया में रैंडियर जिसके लम्बे बाल होते हैं बारहसिंघे से मिलता है २ मध्य एशिया में दो कोहान का ऊँट अरब में एक कोहान का ऊँट तिब्बत में याक जाति का बैल जो सवारी और बोझ ढोता है

मनुष्य की उन्नति—बहुत सी दशाओं में मनुष्य परिवर्तन करके अपने अनुसार बना सकता है जैसे कि हिन्दुस्तान तथा चीन के घने जङ्गल और बनों को काट कर भिन्न २ वस्तुएं अपने लाभ की तय्यार करते हैं जैसा कि हिन्दुस्तान की तारीख़ [इतिहास] से साबित है।

मज़बूरी—परन्तु जहां सूर्य की गर्मी नहीं होती है वहाँ मनुष्य की बुद्धि कुछ काम नहीं आसकती इसलिये एशिया का उत्तरी भाग और सहरायगोबी, अरब, तिब्बत सदा उजाड़ रहेंगे।

टराडरा

प्रश्न

(१) टराडरा से क्या समझते हो एशिया के नक़शे में दिखाओ
(२) टराडरा के निवासियों और उनकी जीवकाका हाल लिखो

(३) यह क्या हैं स्लेज-उत्तरी प्रकाश-रैन्डियर-अतरस्ल टण्डरा और उस की दशा—सर्द रेगिस्तान की वह पट्टी जो उत्तरी एशिया के बराबर चली गई है। टण्डरा की जमीन पर कई २ दिन तक बर्फ जमी रहती है यह सफेद और चट्टान की नाईं सख़्त होती है गर्मी में भी थोड़ी गर्मी पड़ती है जिससे ऊपर की धरातल का केवल थोड़ा सा बर्फ पिघल कर कीचड़ होजाता है और ताल के अधिक हिस्से में बर्फ ही जमी रहती है

निवासी तथा भोजन—यहां बन्दर गाहों में कुछ आबादी है यहां के निवासी सामूटेडी कहलाते हैं जो केवल मछली का शिकार करके खाते है इसीकी खाल को तांत से सीकर कपड़े बनाते हैं गरम समूर की पोशाक पहनते हैं भेडियों की खाल भी काम में लाते हैं

मकान तथा डेरे--सैला मछली की खालों को सींकर डेरे बनाते हैं और उसकी चर्बीको जलाकर उनको गर्म करते हैं और हड्डियों पर खाल मंढते हैं डेरे दूहरे होते हैं कभी२ वर्फ के टुकड़ों से सीकर खाल मंढ लेते हैं

सैल मछली का शिकार—गर्मी के दिनों में किश्तियों (इसी मछली की खालों की बनी हुई) में सवार होकर समुद्र में जमे हुए वर्फ में सूराख कर देते हैं और इन्तज़ार करते रहते हैं कि जब कोई मछली ऊपर को आती है नेजा चुभो देते हैं इस नेज़े के सिरे परदूसरी ओर एक लम्बी रस्सी बंधी रहती है जिससे ज़ख़्मी मछली को बाहरखींच लेते हैं यह मछली बड़ी लाभ दायक होती है

रेनडियर—यह बारह सिंहे की तरह का हिरन जैसा होता है—स्ममोयडी अपनी गाड़ियों में जोतते हैं जिसका गोश्त और खाल भी काम आती है जो सिर्फ काई खाता है जो कि गर्मीयों में पैदा होती है और जाड़ों में बर्फ खुर्च लेता है

स्लेज—यह एक प्रकार की गाड़ियां होती हैं यह बर्फ पर खिसटती हैं उत्तरी सागर के किनारे जाड़ों में तीन महीने सूर्य नहीं निकलता और इसी प्रकार गरमियों में तीन महीने तक सूर्य डूबता नहीं कुछ दिनों तक कई २ घंटो के ही दिन होते हैं

उत्तरी रोश्नी—खुश्क और सर्द हवा में बिजली की लहर के गुजरने से पैदा होती है जिसके कारण इस भाग में कभी कभी रोशनी चमक जाती है यही उत्तरी प्रकाश (रोश्नी) कहलाती है ।

टेगा

प्रश्न ।

(१) टण्डरा से नीचे कौनसी पट्टी है और कितनी लम्बी चौड़ी है।

(२) टेगा के मुख्य निवासियों का पेशा क्या है।

(३) टेगा की पैदावार लिखो और बताओ कि यहां का खास पेड़ कौनसा है और कितना लाभदायक है हि-न्दुस्तान के किस वृक्ष से उपमा दी जा सकती है ।

टेगा—उत्तरी एशिया में टण्डरा से नीचे का भाग जहां कि जंगलात् की पट्टी है वह टेगा कहलाती है यह पट्टी पूरव से पच्छिम तक छैःसौ मील फैली हुई है ओबी-यन्सी-लीना आदि नदियां इसी में होकर बहती हैं ।

निवासी—टेगा के निवासी वारहसिहों के गल्ले पालते हैं उन्हें लिये घूमा करते हैं जिनका दूध पीते हैं मांस खाते हैं और खाल के डेरे और कपड़े तय्यार करते हैं जिनका पेशा शिकार है।

पैदावार-(१) लकड़ी बहुत होती है परन्तु बेकार जाती है नदियों के पानी जम जाने के सबब कहीं बाहर नहीं भेजी जा सकती (२) समूर टेगा के जंगली जानवरों का सुन्दर और मुलायम समूर-होता है शिकारी लोग जाड़ों में जबकि उनके समूर लम्बे होते हैं जाल में फांस-कर गोली से मार देते हैं और खाल निकाल कर बहार के मौसम में बेचते हैं जिसकी अधिक तिजारत (व्यापार) योरोप से होती है यहां गर्म कोट चादरे बनाए जाते हैं।

(३) चीड़ और वर्च का पेड़ विशेष कर लाभ दायक होता है शिकारी लोग इसकी गीली लकड़ी ही जला सकते हैं इसकी मोटी छाल से छत पाटते हैं झोंपड़ों की दीवारें बनाते हैं और किश्तियां तय्यार करते हैं बारीक छाल की सुतली बनाई जाती है लकड़ी के कटोरे, प्याले चमचे बनते हैं गरज़ कि इस पेड़ का कोई हिस्सा बेकार नहीं जाता जिसे हिन्दुस्तान के बांस से उपमा दे सकते हैं पहचान इस पेड़ की यह है कि छोटी २ पत्तियां होती हैं छाल चूने की तरह सफ़ेद होती है।

स्टेप ।

प्रश्न

(१) स्टेप किसे कहते हैं और उसका फार्सी नाम क्या है ।

(२) स्टेप के मैदानों की पैदावार और वहां के निवासियों का उद्यम तथा जीविका बताओ ।

(३) दुनियां में सब से बड़ी रेलवे लाइन प्रसिद्ध स्टेशनों सहित और व्योपारिक वस्तुओं को लिखो ।

(४) स्टेपस में कौनसा देश है उसके प्रसिद्ध नगर प्रसिद्धता सहित लिखो ।

(५) कालमक्स और करमस पर संक्षेप नोट लिखो ।

मध्य एशिया और पैदावार—टेगा के दक्षिण में मध्य एशिया से ऊपर का भाग जो घास पेड़ों से ढका है जाड़ों में तो यहां यख़ (हिम) जमा रहता है परन्तु गर्मियों में ज़मीन साफ़ हो जाती है और गेहूं जौ आदि बोए जाते हैं उनके पकने के लायक काफी गरमी होती है परन्तु उसके दक्षिणी भाग में गरमी तथा वारिश की कमी के कारण घास तक नहीं उग सकती मगर उसकी सरहद काश्तकारी (खेती) के लिये बहुत उमदा है ।

ट्रैन्स साईबेरियन रेलवे—स्थिर महासागर से बाल्टिक सागर तक रूसियों ने एक रेल बनाई है जिसके द्वारा इस भाग की पैदावार योरोप भेजी जातीं है यह दुनिया भर में सब से बड़ीं रेलवे लाइन है ।

जाने वाली वस्तुएं–१–चीन, जापान को डांक–२ योरुप को गेहूँ–जौ गोश्त–अण्डे–मक्खन ।

प्रसिद्ध स्टेशन १–वलाडीवास्टोक यह स्थिर महासागर का मुख्य बन्दर है और इस लाइन का आख़री स्टेशन है (२) कयाख़ाना रूस और चीन की सरहद पर व्यापारिक स्थान है यहां पर मण्डी है और दोनों देशों के सौदागर आनकर जमा होते हैं इनके सिवा अरकटस्क-टोमस्क–टोवालस्क–ओमस्क भी मुख्य स्टेशन हैं ।

स्टेप या क्याहिस्तान—स्थिर महा सागर के गिर्द एक रेतीला इलाका है इसके और उपजाऊ पट्टी के बीच में एक सूखा भाग है जहां खेती नहीं हो सकती केवल चौपायों की चरागाह का काम देताहै यह पट्टी स्टेप कहलाती है

स्टेप के निवासी तथा जीविका—स्टेप में काल मुक्ख फ़िरके के लोग रहते हैं जो भेड़, बकरी, ऊँट तथा घोड़ों के गल्ले पालते हैं यह लोग नमदे के डेरेबनाते और एक स्थान से दूसरे स्थान लेजाते हैं जिनकी खुराक पनीर और ग्रम्स शराब है जो दोनों चीजें दूध से बनती हैं ।

तुर्किस्तान के प्रसिद्ध नगर—अरब सागर के गिर्द वर्षा कम होती है परन्तु दक्षिण पूरब और पच्छिम के पहाड़ी ढालों पर कुछ वर्षा होती है वहां से चशमे निकल कर रेगिस्तान में जाते हैं उनका पानी सिन्ध के पानी की भांति है इन्हीं नदियों पर नगर वसे हुए हैं ।

बुखारा--रियासत बुखारा की राजधानी है २ समरकन्द व्यापारिक स्थान है फल प्रसिद्ध है ३ जम्योवा रियासत की राजधानी है ४ मर्व रेलवे स्टेशन है ५ ताशकन्द जंकशन है दो रेलें मिलती हैं बास्को जाने वाली मर्व को जाती है।

नोट--यह तीनों विभाग १ टराडरा २ टेगा ३ स्टेपीस रूस के विभाग हैं इन्हीं को देश विभाग कहते हैं।

एशिया क पठार

प्रश्न।

(१) शुष्क सागर—लूईस-रेशमी मार्ग से क्या समझते हो।

(२) वेसन तारीम कहां है यह कैसा वेसन है।

(३) तिब्बत के स्टेटो का मौका पैदावार और प्रसिद्ध नगर बताओ और वहां के निवासियों का मुख्य भोजन क्या है।

(४) रेशमी रास्ते के मुख्य नगर लिखो।

(५) पाक किसे कहते हैं और दीवार चीन से क्या समझते हो।

हिन्हाई—मङ्गोलिया के दक्षिण में एक वहुत वड़ा रेगिस्तान है उसे खुश्क समुद्र को हिन्हाई कहते हैं उसके दो विभाग हैं (१) गोवी वाशा का रेगिस्तान (२) तारीम का वेसन।

गोबी और तारीम—के बीच एक तङ्ग मार्ग है जो एक मंजिल में तय हो सकता है गोबी का सहराई भाग उजाड़ तथा ग़ैर आबाद है उसमें पच्छमी हवा चलती है और पूरब की ओर को बहुत मिट्टी उड़ा लेजाती है पूरबी पहाड़ और वादियां तमाम उपजाऊ हैं।

लुईस—वह मिट्टी जो कि पहाड़ों से बहकर हवाँगहू नदी में आती है यह उपजाऊ होती है।

दीवार चीन—सोलहसौ बरस पहिले जिन्हों ने गोवी की पूरवी सीमापर ग्वाहिस्तान के जंगली लोगों के हमलों से बचने के लिये एक बारहसौ मील लम्बी और खूब चौड़ी दीवार बनवाई थी जो अब तक मौजूद है यह सीधी नहीं है बल्कि खमदार बनाई गई है।

रेशमी मार्ग—यह रास्ता पुराने समय में जबकि जहाज़ और रेलें नहीं थे हिन्दाई के किनारे २ तारीम की वादी में होते हुए बग़दाद पहुँचते थे उसके पुराने खंडर अब भी मौजूद हैं जैसे तास्क़न्द और काशगर इस रास्ते से चीन का रेशम यूरोप को जाता था इसी कारण इसे रेशमी मार्ग कहते हैं।

तिब्बत का पठार—यह प्लेटो तारीम की वादी के दक्षिण में जो अधिक ऊँचा है उसको वास्तव में प्लेटो नहीं कहना चाहिये क्योंकि पूरब से पश्चिम तक कई श्रेणियां पर्वतों की चली गई हैं जो बहुत ठंडे हैं और आबाद नहीं हैं परन्तु ब्रह्मपुत्र की घाटी आबाद है।

तिब्बत ब्रह्मपुत्र की वादी—यह उसकी अपेक्षा गर्म है क्योंकि जो हवा हिमालय के उत्तरी ढालों से चलती है वह दबकर गर्म हो जाती है हिम पिघलाने को लाभकारी हैं।

पैदावार—१-काला जौ जिसका आटा पानी और घी में मिला हुवा तिब्बत के लोगों की ख़ास खुराक है २ याक जिनका बयान पीछे हो चुका है।

प्रसिद्ध नगर—लासा है जो तीर्थ स्थान माना जाता है और राजधानी भी है।

नोट—देश बिभाग से यह चीन देश का भाग है।

मुख्य चीन

प्रश्न।

१-चीन का विस्तार और प्राकृतिक दशा लिखो।

२-चीन की पैदावार क्या है और क्यों। खानिज पदार्थ किस किस सूबे में क्या २ होते हैं।

३-चीन की भाषा की अनोखीबात और कई विचित्रतओं का वर्णन करो।

४—पेकिन--नेटसन--कंटेन--मेमाचिन--हांगकांग--क्यों प्रसिद्ध हैं।

५—चीन का नाम क्या है और क्यों

६—चीनी लोग दुनियां में किस वास्ते मशहूर हैं।

७—दुनियां में सबसे बड़ा आबाद देश तथा एशिया में सबसे लम्बी नदी कौन है।

८—सूबा यूनान और रिचबान की मुख्य नदी बताओ।

सीमा उत्तर में एशियाई रूस पूरब में स्थिर महासागर पच्छिम में तुर्किस्तान तथा रूस दक्षिण में चीन सागर व इन्डोचीन व हिन्दुस्तान।

विस्तार—यह राज्य एशिया के चौथाई भाग से अधिक में फैला हुआ है क्षेत्रफल में दुनियां भर में तीसरे दर्जे पर है जो २० दर्जे से ५० उत्तर तक फैला हुआ है।

विभाग—१-मुख्यचीन २ तिब्बत ३ मंगोलिया ४ पूरबी तुर्किस्तान-६ मंचोरिया।

प्राकृतिक दशा—चूंकि यह राज्य बड़ा विस्तरित है उत्तरी भाग रेगिस्तान दक्खिनी पहाड़ी और साहिली ज़मीन है इसलिये उत्तरी और दक्षिणी चीन की आबो हवामें बड़ा अन्तर है सर्दी के दिनों में हिम गिरती है गरमी में अच्छी गरमी होती है चीन में पहाड़ हैं जिनके बीच के मैदानों में बहुत सर्दी पड़ती है मुख्य चीन की ज़मीन नदियों की मिट्टी से बनी है हांगहो नदी तिब्बत से निकल कर मिट्टी भरी घाटियों (लूईस से भरी) में होकर बहता है नीचे के मैदान में पहुँचता है और लुईस के कारण पीला होजाता है और धीरे बहने के कारण लुईस बैठने लगती है और चूंकि यह नदी अपना किनारा बहुत जल्द तबदील करती है इसलिये चीनी लोग इसके किनारे पुश्ते बनाते हैं यहां तक कि नदी पुश्ते के ऊपर बहने लगती है और पुश्ता टूट जाता है लाखों घरों को नष्ट कर देती है इस कारण इसका नाम आफ़त चीन या चीन का ग़म है जो पिचीली की खाड़ी में गिरती है।

यांगटिसीक्यांग—यह एशिया भर में सबसे बड़ी नदी है तिब्बत से निकल कर दर्रों में बहता हुआ ज़िचवान के सूबे के मैदान में पहुँचता है इस से बहुत सी नहरें निकाली गई हैं तेज़ बहने वाली नदी है दक्षिणी भाग बहुत गहरा है-सीक्यांग सूबे यूनान से निकलता है खानिज पदार्थों के लिये प्रसिद्ध है।

साहिल—यांगटिसीक्यांग और सीक्यांग के बीच का पहाड़ी देश है जहां चाय बहुत होती है साहिल पथरीला है इस पर कई बन्दर गाह है।

पैदावार—उत्तर की ओर गेहूँ की खेती होती है और लोबिया भी बोया जाता है दक्षिणी चीन में मुख्यतः चावल होते हैं पहाड़ों पर चाय खूब होती है चीन की साधारण और प्रसिद्ध पैदावार रेशम है जिसकी तिजारत पुराने समय से अधिक होती है इसके सिवा हर प्रकार के फल फूल पोस्त-शकर-सन-तम्बाकू भी होते हैं चीनी खानिज पदार्थों से धनवान हैं परन्तु इतना काममें नहीं आता कोयला दुनियां भर में सबसे बड़ी खान पेकिंग के पच्छिम की ओर पहाड़ों में है इसी ओर लोहा भी काफ़ी निकलता है सूबे यूनान में रांग, तांबा, सोना, चाँदी की खानें हैं परन्तु अभी खानों का काम ऐसा नहीं होता जैसा कि योरोप आदि में होता है।

निवासी—चीन के निवासी ब्रह्मा वालों से मिलते जुलते हैं रंग पीला आँखें पतली चेहरे पर बाल नहीं होते यह लोग दुनियां भरमें सबसे अधिक मेहनती होते

हैं आबादी बहुत गुंजान है और आबादी में यह राज्य सबसे अव्वल नम्बर है लोग नदियों में नावों तथा बेड़ों पर रहते हैं इन्हीं बेड़ोंपर बाग़ लगाते हैं अफ़ीम बहुत पैदा होती है बड़े लोग पतङ्ग उड़ाते और बच्चों को मने करते हैं हकीम को आरोग्यता के समय में नौकरी देते हैं परन्तु बीमारी होने पर बन्द कर लेते हैं।

बोली—अनोखी है हर बात के लिये एक चिन्ह नियत होता है और ऊपर से नीचे की ओर लिखते हैं परन्तु अब हिन्दी की तरह परभी अक्षर बनाये गये हैं।

प्रसिद्ध नगर—पेकिंग राजधानी है हाँगहो नदी पर बसा हुआ है यह नगर एशिया के तमाम नगरों से अधिक आबाद है यहाँ चमड़े का व्यापार होता है टिन्टसन नामी बन्दर स्थान है।

नङ्कपू—रेशम के लिये प्रसिद्ध है यहँकू-योगटिसी क्यांग पर बसा हुआ है यहां तक जहाज़ आ सकते हैं-केन्टन-सीक्यांग नदी पर बसा हुआ है चाय की मण्डी है हिन्दुस्तान की अफ़ीम यहां आनकर बिकती है-हांग कांग सीक्यांग पर बृटिश का बन्दर है।

लासा—तिब्बत की राजधानी है पवित्र स्थान है लामा गुरु यहीं रहते हैं-यचीन एक व्यापारिक मण्डी है मङ्गोलिया की सरहद पर है। मर्कना वाला मँचूरिया की राजधानी है।

उर्गा—मङ्गोलिया और जंगीरया की राजधानी है चीनियों का गवर्नर यहीं रहता है।

जापान

प्रश्न ।

१-जापान की स्थिति व विस्तार बताओ और यह भी बताओ कि इसमें कौन २ द्वीप शामिल हैं ।

२-जापान के पूरबी तथा पच्छिमी साहिल की आबो-हवा में क्या अन्तर है और क्यों है ।

३-जापान ने किस प्रकार इतनी उन्नति की ४ जापान की पैदावार तथा निवासियों का हाल लिखो ।

५-टाइफून-करेन्ट--क्यूरोसीवा-सिबार-से क्या समझते हो ।

६-यूकोहामा—टोक्यू-हाकोडाई-नागा साकी-ओसाका-क्यों प्रसिद्ध है ।

७-जापान कैसा टापू है यहां की पृथ्वी खेती और चरागाह के लायक क्यों नहीं ।

राज्य, विस्तार—जापान राज्य क्यूराइल से फ़ारमूसा तक अर्थात् ५०° उत्तरी से २०° तक फैला है ।

इन्द्र द्वीप—होकेडो—क्यूशो—शकोक्यू को मुख्य जापान कहते हैं ।

प्राकृतिक दशा-जापान मुख्य की ज़मीन अधिक तर पहाड़ी है $\frac{1}{6}$ भाग खेती के लायक है पहाड़ इस कारण चरागाह और खेती के लायक़ नहीं क्योंकि चट्टान टूट कर शीशे वाली बालू बन जाती है यह सब पहाड़ ज्वाला मुखी हैं ।

प्राकृतिक चिन्ह—पहाड़—फ्यूज़ी—सानवा फ्यूज़ीयामा जापानी वस्तुओं पर बहुधा चिन्ह बने रहते हैं ।

नदी—शतांनू है ।

झील - वीवा है इसके झरनों से बिजली पैदा की जाती है जिससे ओसाका की कलें चलती हैं ।

आबोहवा—क्यूराइल तथा सहालीन उत्तर में होने के कारण ठंडे हैं (२) होकेडो में पांच महीने तक वर्फ़ जमी रहती है इका कोहरे और नमी से भरी रहती है (३) डराइू मानसून के रुख पर बसा है पच्छमी भाग ठंडा और पूरबी गर्म है क्योंकि पूरब की ओर करेन्ट आता है गरमी में वर्षा होती है (४) फारामुसा और अन्य दक्षिणी टापू साल भर तक गर्म रहते हैं ।

पैदावार—(१) उत्तरी क्यूराइल और सहालीन में अन्न नहीं होता केवल मछली का शिकार करते हैं (२) होकेडो में भी गल्ला नहीं होता यहां के लोग कोयले की खानें खोदते हैं मछली का शिकार करते हैं समुद्र के किनारे सिवार जमा करते हैं ।

(३) मुख्य जापान की पैदावार चाय है जो जापानियों का मुख्य अहार है ।

(४) फार मूसा में नाज के सिवा गन्ना भी होता है ।

ऐतिहासिक वर्णन—पचास बरस हुए कि अंग्रेजों ने जापानियों को मजबूर किया कि वह अपने यहां के कानून बदलें और योरोप वालों को जापान में आने की आज्ञा दें तब ही से जापानी वाहर जाना सीखे यूरोप जाकर वहां के ढङ्गों और कार्यों को देखा फिर लौट कर अपने देश वालों को सिखाया और हर प्रकार के कारखाने खोलदिये और जहाज़ भी बनाने लगे ।

व्यापारिक उन्नति—जबकि देश में रेल-तार-जहाज़ किश्तियां बनाई गई तब ही से स्थली समुद्री सेना में भी उन्नति की, आबादी में भी तरक्की हुई इसी कारण फारमूसा, कोरिया को लीला खानें ढूंडीं और कारखाने खोलदिये ।

आने वाली वस्तुएं—कच्चा रेशम चीन से कपास और कुछ शक्कर हिन्दुस्तान से आती है ।

निवासी तथा शिल्प, सभ्यता-जापानी सदासे होशियार बुद्धिवान हैं समझदार तथा सभ्य हैं चीनी मिट्टी के खिलौने बनाते हैं और बर्तनों पर रोग़न करते हैं चित्रकार भी उत्तम हैं यह लोग बुद्ध मत और कनफ्यूशश की आज्ञा मानने वाले हैं मकान लकड़ी के बनाते हैं क्योंकि भूकम्प में गिरने का भय रहता है इनके स्वदेश प्रेम से भारत वासियों को शिक्षा प्राप्त होती है देश प्रथम है और मत [मज़हब] पीछे ।

प्रसिद्ध स्थान—टोक्यू जापान की राजधानी है एशिया में सबसे बड़ा नगर है पूरबी साहिल पर उपजाऊ मैदान है-यूकोहामा-टोक्यो का बन्दर है समुद्र उथला होने के कारण से नगर तक जहाज़ आजाते हैं ओसाका-बड़ा नगर है यहां कपड़े के कई कारख़ाने हैं-कोबे-ओसाका बन्दर स्थान है-क्यटो नगर विद्या तथा कारीगरी का केन्द्र है यहां मन्दिर महल सुन्दर बाग़ हैं ।

नोट—टाइफून या तूफान-जब हवा समुद्र को टकरा कर पानी को ज़ोर से हिलाती है तो बहुत ऊँची लहरें उठती हैं और पानी खुश्की पर चढ़ आता है और गांव डूब जाते हैं और बह जाते हैं इसी को टाइफून कहते हैं ।

करेन्ट या तयार—वह समुद्री धारा है जो एक अलग अलग स्वाद की बाज़ २ समुद्रों में अलग २ बहती है १ गरम तयार २ ठण्डी तयार।

सिवार—समुद्री एक वस्तु है जिसे चीन वाले खाते हैं

इस परिभाषा को याद करो—जैसा मौका और आबो हवा और उन्नति आदि एशिया के बड़ा द्वीप में जापान ने पाई है ऐसी ही यूरोप में इङ्गलैंड ने इसी लिये जापान को एशिया का बरतानियां कहते हैं।

इन्डो चाइना।

प्रश्न।

(१) हिन्द चीनी से क्या मतलब है इसमें एशिया का कौनसा हिस्सा शामिल है।

(२) इन्डो चाईना में किस किस का कहां २ अधिकार है

(३) फरांसीसी इन्डो चाइना के प्राकृतिक भाग तथा दशा और प्रसिद्ध नगर बताओ।

(४) सफ़ेद हाथियों के देश से क्या समझते हो वह किसके अधिकार में हैं उसका मुख्य नगर क्या है।

(५) इन्डो चाइना में अंग्रेजों के अधिकार कहां २ है उनकी मुख्य पैदावार क्या है।

(६) सिंहापुर को क्या विशेषता हासिल है और क्यों और यह किस दशा में कमहो सकती है।

(७) बंकाक में किस २ देश के निवासी दिखाई पड़ते हैं और वह वहाँ क्यों गये हैं किसी और नगर में भी ऐसा देखा जाता है।

(८) मलाया की रियास्तों की मुख्य पैदावार क्या है वह किस काम आती है।

नाम --इन्डो चाइना-हिन्द चीनी--हिन्द ज़ायद--फ़र्दर इन्डिया।

स्थिति--एशिया के दक्खनी, पूरबी कोने पर ०° से २०° अ-क्षांस तक फैला हुआ है इसके उत्तर में चीन देश और पूरब पच्छिम में चीन सागर पच्छम में आवनाय (मुहाना) मलाका बङ्गाल की खाड़ी तथा हिन्दुस्थान है।

प्राकृतिक दशा--यहां की आबोहवा गर्म तर है क्योंकि हिन्द और स्थिर महासागर दोनों से वर्षा होती है इसका अधिकांश ऊष्ण कटिबन्ध के घने जङ्गलों का भाग है साहिल तथा डेल्टों पर मैदान हैं यही उपजाऊ और आबाद हैं।

देश बिभाग--देश बिभाग इसके मुख्य तीन हैं १ फरां-सीसा इन्डो चाइना जिसमें टान्किन अनाम-कम्बोडिया की नई वस्तियाँ हैं (२) स्थान की स्वतंत्र रियासत है (३) मलाया की रियास्तें अँग्रेज़ों के आधीन हैं प्रत्येक का वर्णन अलग २ नीचे दिया गया है।

(१) फरांसीसी इ० चा०

प्राकृतिक दशा—टानकन का अधिक भाग सान्कुई नदी के मुहाने पर है कम्बोडिया मीकांग नदी के डेल्टे पर है अनाम पहाड़ी मुल्क है मीकाँग इसकी बड़ी नदी है परन्तु उत्तरी चढ़ाव अधिक होने के कारण नावों के लिये लाभ दायक नहीं है।

प्रसिद्ध नगर-सैगोन यहां फरांसीसियों का गवर्नर रहता है अर्थात् राजधानी है।

ह्यू—अनाम की राजधानी है यहां फरांसीसियों के बनाए किले एशियाभर में प्रसिद्ध हैं।

हनोई—यह शहर टानकिन की राजधानी है २१ अक्षांस पर है।

पतूमनफ—कम्बोडिया का प्रसिद्ध नगर है।

(२) स्याम।

नोट-स्याम को सफ़ेद हाथियों का देश भी कहते हैं क्यों कि यहां का राजा ऐसे हाथियों का झुँड रखता है देश वाले सफ़ेद हाथी की पूजा करते हैं।

प्राकृतिक दशा—इस देश का अधिकांश भाग जंगलों से पटा हुआ है यह सागौन के जङ्गल हैं इनमें हाथियों के झुण्ड फिरा करते हैं यही बोझ लादने का जानवर है पहाड़ों से जो लट्ठे नदियों में बहादिये जाते हैं नदियों में से हाथियों द्वारा निकाले जाते हैं।

पैदावार—चावल—सागौन—हाथी।

मुख्यनगर—बंकाक की राजधानी है जो मीनम नदी के तट पर है यह नगर टापुओं पर बनाया गया है एक स्थान से दूसरे स्थान आने को किश्तियां काममें लाई जाती हैं मकानात नदी में खम्बे गाढ़कर उनपर बनाते हैं बड़े २ सागौन के लट्ठों पर बेड़े बांधकर उनपर झोंपड़े डालेगये हैं नदी के मुहाने पर ही धान के खेत है नगर में हिन्दुस्तानी ब्रम्ही-चीनी जो कि तिजारत, दस्तकारी और मज़दूरी को

आते हैं रहते हैं स्याम के असली बाशिन्दों से यह लोग चुस्त चालक होते हैं।

(३) मलाया की रियासतें

प्राकृतिक दशा—यह एशिया का बहुत ही दक्षिणी भाग है करां थल संयोजक पर बहुत ही तंग होगया है यदि इसे काटकर नहर बनादी जाय तो कलकत्ते और चीन के रास्ते में ६०० मील की कमी होजावै उत्तरी भाग की कुछ रियासतें स्याम के आधीन हैं और दक्षिणी भाग की रियास्तें बृटिश इन्डो चाइनामें हैं।

पैदावार—ज़मीन उपजाऊ है समुद्र तट पर नारियल खूब होता है जो तेल निकालने के काम आता है रबड़ के पेड़ भी बहुत होते हैं रांग और टीन की खानें भी हैं।

निवासी—यहां के असली निवासी मलायो वन्श के हैं जो सुस्त होते हैं काम नहीं करते इसी लिये चीनी और हिन्दी लोग खानों और बाग़ों में काम करते हैं नगरों में सौदागर-कारीगर-क्लर्क भी प्रायः यही लोग हैं।

प्रसिद्ध नगर—सिंगापुर जो बहुत बड़ा बन्दर स्थान है पूरवी द्वीपों की पैदावार यहीं से बाहर को जाती है चीन-जापान-आस्ट्रेलिया जानेवाले जहाज़ यहीं होकर जाते हैं।

पूरवी द्वीप समूह

प्रश्न

(१) दुनियां में सब से बड़ा द्वीप समूह बताओ और उसका स्थान भी लिखो।

(२) पूरवी द्वीप समूह में मौसम क्यों नहीं होते ।

(३) यहां के टापुओं की वर्षा तथा पैदावार ख़ास २ लिखो

(४) इस समूह में कौन २ द्वीप हैं और वे किस २ के अधीन है ।

(५) इन टापुओं के दृष्य और निवासियों का हाल वर्णन करो ।

(६) मनिला-सराविया—सरावक-ट्रांग क्यों प्रसिद्ध हैं

नाम—यह बहुत छोटे २ और बड़े द्वीपों का समूह है हिन्द के पूरब में है इसलिये पूरबो द्वीप समूह कहलाते हैं यह दुनियां के सबसे अधिकटापुओं का समूह है ।

स्थिति—भूमध्यरेखा के दोनों ओर १०° अन्श तक फैले हुए हैं भूमध्य रेखा बोरनियो द्वीप सुमात्रा सिलीबीस-मलकाज़ के बीच में होकर गुज़रता है ।

मौसम—भूमध्य रेखा के समीप होनेके कारण मौसम नहीं होते सदा गरमी ही रहती है केवल चोटियां ठंडी हैं ।

वर्षा—छै मास तक हवाएं हिन्द सागर और छै महीने तक स्थिर महासागर से चलती हैं जिनसे वर्षा होती है ।

पैदावार—चूंकि यहाँ ज़मीन ज्वाला मुखियों की ख़ाकसे उपजाऊ होगई है और वर्षा भी काफ़ी होती है इसलिये जङ्गल बहुतायत से हैं खेती के लायक बहुत कम ज़मीन साफ़ हो सकती है समुद्र के किनारे तराई में चावल-तम्बाकू-साबूदाना और मसाले खूब पैदा होते हैं पहाड़ी ढालों पर-

कहवा-चाय और कौनैन होती है यहां होशियार आदमी दस दिन की मेहनत से सालभर तक निश्चिन्त हो सकता है।

प्राकृतिक दृश्य--इन टापूओं में इस क़दर जङ्गल हैं कि उनके नीचे रोशनी मुशकिल से धुंदलीसी पहुँचती है पेड़ों के तनों पर बेलें जमती रहती हैं जो एक पेड़से दूसरे पेड़ पर पहुँच जाती हैं और फिर नीचे लटक आती हैं तनों पर काई जम जाती है जिसमें फलों के पौदे जम आते हैं और उन पेड़ों पर कई प्रकार की चिड़िया और बन्दर रहते हैं काटने वाले कीड़े उड़ा करते हैं और रेंगा करते हैं हवा गर्म और दम घुटने वाली है ज़मीन दल-दली है और मेह खूब बरसता है।

निवासी--पहाड़ों और जङ्गलों में वहशी लोग रहते हैं साहिल तथा तराई में कुछ लोग सभ्य हैं यह लोग पेड़ों पर या नदियों या उथले समुद्र में लम्बे गाढ़ कर मकान बनाते हैं और वहीं से मछली पकड़ते हैं।

मुख्य टापू-(१)-सराडा के द्वीप अर्थात् जावा-सुमात्रा बोर्नियो-लम्बोक-और तम्बोर।

(२) सिलीबोज़ समूह यह डचों के आधीन है।

(३) फिलपाइन यह अमेरिका की संयुक्त रियास्तों के आधीन है और बोर्नियो अंग्रेज़ों के आधीन है।

प्रसिद्ध नगर—मनिला फिलपाइन की राजधानी है तम्बाकू-सन अधिक होता है इन टापूओं को ५० वर्ष में ही अमेरिका ने इतना योग्य बना दिया है जितना अंग्रेज़ ५० वर्ष में हिन्दोस्तान को भी न बना सके।

सराविया-स्यूराया-यह दोनों नगर जावा द्वीप के हैं यहां से मसाले बाहर को जाते हैं।

पिडांग-सुमात्रा की राजधानी है [सरावक] उत्तरी बोरनियों में अँग्रेज़ों की राजधानी है।

नोट-बोरनियों और सिलीबीज के सिवा बाकी सब द्वीपों में ज्वाला मुखी पहाड हैं जिनमें से प्रायः बन्द हैं जिनकी चोटियां अब झील बन गई है सन् १८८४ ई० में कराकतुवा का द्वीप जोकि जावा सुमात्रा की तङ्ग आबनाय में था ऐसा उड़ा कि पता न लगा इसका असर जावा तक पहुँचा इन टापुओं में प्रायः भूकम्प आते रहते हैं।

दक्षिणी, पच्छिमी एशिया।

प्रश्न।

(१) दक्षिणी, पच्छिमी एशिया क्यों गर्म, खुश्क हैं और उसके देश विभाग कौन २ हैं।

(२) अफ़गानिस्तान की आबोहवा कैसी है खुश्क आबोहवा से क्या समझते हो।

(३) काबुल-कन्धार-जलालाबाद क्यों प्रसिद्ध हैं बहुत देशों का चौराहा कौनसा शहर है।

(४) हिन्दोस्तान से अफ़गानिस्तान कैसे आ सकते हैं।

(५) अफ़ग़ानिस्तान का हाकिम क्या कहलाता है और वह कहां रहता है।

(६) बिलोचिस्तान कहां है यहां का हाकिम कौन है और वह कहां रहता है।

प्राकृतिक दशा--यह भाग गर्म और खुश्क है बहुत से देश पहाड़ी भी हैं साल के एक भाग में हवाएँ काले सागर लाल सागर से होकर आती हैं चूंकि यह समुद्र बहुत तङ्ग है इसलिये बहुत कम भाप ला सकती है साल के दूसरे भाग में हवाएँ उत्तर पूरब की ओर से एशिया को पार करके आती हैं जो सूखी होती हैं इस कारण जिस भाग में वर्षा होती है वही नख़लिस्तान हैं और आबादी भी है नीचे लिखे देश इसमें शामिल हैं।

अफ़गानिस्तान-बिलोचिस्तान-ईरान अरब-टर्की-एशिया (सीरिया-आरमीनिया-मेसोपोटामिया)।

(अफ़गानिस्तान)

प्राकृतिक दशा—हिन्दुस्तान के उत्तर, पच्छिम में अफ़-ग़ानिस्तान एक पहाड़ी देश है केवल नदियों की घाटियां ही आबाद हैं वर्षा कम होती है मगर वादियां पानी की अधिकता से तर रहती हैं।

आबोहवा—आबोहवा सख़्त है गरमियों में अधिक गरमी-जाड़ों में अधिक जाड़ा पड़ता है घाटियों में बर्फ़ के तूफान आजाते हैं गरमियों में चट्टाने धूप के कारण तप जाती हैं परन्तु रात को ठन्डी होजाती हैं।

निवासी—सख़्त आबोहवा में मज़बूत आदमी ही रह सकते हैं परन्तु वह भी अपनी पूरी रोज़ी नहीं कमा सकते इसलिये अफ़गानी लोग हिन्दोस्तान में सौदागर या सिपाहियों में देखे जाते हैं यहां मुसलमान मत के लोग रहते हैं जुबान पश्तो बोलते हैं।

प्रसिद्ध नगर—काबुल-राजधानी है अमीर काबुल यहीं रहते हैं यहां का मेवा प्रसिद्ध है और दर्रे ख़ैबर से होकर हिन्दुस्तान से काबुल को जाते हैं।

कन्धार—तिजारती मण्डी है हिन्दुओं के समय में इसका नाम गान्धार था बोलन दर्रे में होकर यहां को आते हैं फिर वहां से फारिस को जाते हैं।

हिरात—यह नगर हिन्दुस्तान और फारिस के तिजारती रास्ते पर है जो चीन-फारिस तुर्किस्तान तथा अफ़गानिस्तान का व्यापारिक केन्द्र है।

जलालाबाद—और ग़ज़नी प्रसिद्ध तथा एतिहासिक नगर है।

(बिलोचिस्तान)

बिलोचिस्तान—अफगानिस्तान के दक्षिण में एक छोटा सा देश है उसका बहुतसा हिस्सा अँग्रेजी हकूमत में है बाकी पर ख़ान क़िलात हकूमत करता है जो पहाड़ी देश है इस दशा में अफ़ग़ानिस्तान से मिलते हैं क़िलात नगर राजधानी है और दादर गर्म स्थान है।

फारिस

प्रश्न—(१) फ़ारिस का स्थान, प्राकृतिक भाग तथा आबोहवा लिखो (२) फारिस की मुख्य पैदावार लिखो और वहां को आने, जाने वाली वस्तुएं भी बताओ (३) तबरेज़-शीराज़-मशहद अशफाहान क्यों प्रसिद्ध हैं।

प्राकृतिक दशा—फ़ारिस अफगानिस्तान के पच्छिम में

प्रेटो परवसा हुआ है जिसके तीन प्राकृतिक भाग हैं (१) उत्तरी पहाड़ी देश (२) नमक का रेगिस्तान (३) दखनी पहाड़ी वादियां दोनों पहाड़ी भागों में वर्षा अच्छी होती है नमक के रेगिस्तान में सफ़र करना कठिन है क्योंकि कि हवा से नमक उड़कर नाक और मुंह में भरजाता है जिससे फेफड़े ख़राब हो जाते हैं (गलजाते हैं) पानी भी खारी मिलता है यह रेगिस्तान समुद्र के सूख जाने से बना है ।

पहाड़—सबसे बड़ा अलबुर्ज और नदी कारू है आबोहवा सख़्त है ।

पैदावार—अँगूर-सेब-नाश्पाती-अन्य फल मेवा खर्च लायक गल्ला, रुई भी होती है वहाँ के निवासी प्रायः खेती और गल्ले वानी करते हैं बाकी कारीगर कालीन तय्यार करते हैं ।

तिजारत—जाने वाली वस्तुएँ—रेशम—अफीम—मेवा तलवारें-कालीन बाहर को जाते हैं ।

आनेवाली—नील-शकर हिन्दुस्तान से-यूरपी सामान यूरोप से आता है ।

प्रसिद्ध नगर—तोहरान-उत्तरी भाग में राजधानी है-तबरेज़ तिजारती मण्डी है-मशहद तीर्थ स्थान है ।

स्फहान—पुरानी राजधानी है हथियारों के बहुत कारख़ाने हैं मेवा प्रसिद्ध हैं क़िरमान नगर में मशहद जाने वाले सौदागर यहां होकर जाते हैं-शीराज़ पुराना शहर है यहां फ़ारसी के आलीम जैसे शेख़सादी पैदा हुए थे यहां पर बाग़ बड़े २ उत्तम है-बूशहर-बन्दर अब्बास-फारिस की खाड़ी पर बन्दर स्थान है ।

(आरमीनिया)

प्रश्न ।

(१) एशिया के नकशे में आरमिनीया तलाश करो और बताओ कि देश विभाग के ध्यान से यह किस देश में है ।

(२) आरमीनिया की प्राकृतिक दशा और आवोहवा का वर्णन करो ।

(३) तिफ़लिस क्यों उत्तम स्थान पर बतलाया गया है ।

(४) मिट्टी का तेल कैसे मिलता है और आरमीनिया में कहां मिलता है ।

प्राकृतिक दशा—यह एक ऊंचा पठार है जो पहाड़ों और झीलों से भरा हुआ है यहां से नदियां निकलकर काले सागर—कैस्पियन सागर—फारिस की खाड़ी में गिरते हैं यह भाग रूस तथा फारिस-टरकी मे बँटा हुआ है परन्तु भूगोलिक विचार से एक ही देश है इसका बड़ा पहाड़ अरारार है ।

आवोहवा—आबोहवा इतनी ठंडी है कि फसलें पैदा नहीं हो सकतीं ।

प्रसिद्ध नगर—तिफलिस कर नदी की घाटी में एक बड़ा नगर है यहां पर निम्नलिखित चार मार्ग मिलते हैं १–कैस्पयन को जाने वाला २ काले सागर को जाने वाला ३ अरारार को जाने वाला ४ दर्रे दारियल (को काफ़ पर्वत मे) जाने वाला तिफ़लिस रूसी काकेशिया की राजधानी है ।

वाकू—यहां मिट्टी के तेल के घड़े २ सोते हैं जिनमें तेल खुद उबलता है यहां से काले सागर में एक नल लगा है जिससे साफ़ किया हुआ तेल खींचा आता है ।

एशियाए कोचक (अनातोलिया)

प्रश्न ।

(१) एशियाए कोचक कौन सा भाग है उसकी प्राकृतिक अवस्था बताओ, वहां के निवासियों का भी हाल बताओ ।

(२) अनातोलिया के सबसे अधिक आबाद भाग किस ओर हैं और क्यों !

(३) स्मरना का बन्दर बेकार होने से किस प्रकार बचाया गया है ।

(४) अङ्गोरा और ब्रूसा के विषय में क्या जानते हो ।

प्राकृतिक दशा—आरमीनिया के पच्छिम में एक सेटो है जिसके उत्तर और दक्षिण में पहाड़ी श्रेणियां हैं और बीच में नमक का रेगिस्तान है तमाम पहाड़ी ओर सीढियों की तरह काट दिये गये हैं जिनमें पहाड़ी चश्मों से आबपाशी होती है सेटो के निवासी सब भेड़ बकरियों के झुंड पालते हैं जो साहिल वालों के हाथ कुल ऊन बेच डालते हैं ।

पैदावार—गल्ले वानी के कारण ऊन-दखनी साहिल पर तम्बाकू रुई पच्छमी लम्बी तथा तङ्ग घाटियों में अन्जीर मुनक्का-जैतून-रेशम-पैदा होता है तुर्की के कालीन प्रसिद्ध

निवासी—एशियाए कोचक के अधिक आबाद विभाग रूम सागर-कालासागर के तट पर हैं सेटो के निवासी भेड़ों के झुंड पालते हैं उनसे जो ऊन मिलती है उसे साहिल वालों को बेचते हैं।

प्रसिद्ध नगर—स्मरना-एशियाई कोचक की राजधानी है और बड़ा बन्दर स्थान है यहां रेल की तीन सड़कें मिलती हैं उसका बन्दरगाह है कीचड़ से भरने वाला था परन्तु इन्जिनियरों ने नहर काट कर सुरक्षित करदिया है।

अङ्गोरा—ऊन और बकरियों की तिजारत के लिये प्रसिद्ध है।

भर्दबा—पुरानी राजधानी है और मण्डी है।

सीरिया (शाम)

प्रश्न।

(१) एशिया में सबसे नीचा स्थान कौनसा है और एशिया के किस देश विभाग में है इस देशकी धरातल का पूरा वर्णन करो।

(२) एशिया में कौनसा स्थान है जो ईसाइयों और मुसलमानों का पवित्र स्थान है।

(३) रोन्टवेली से क्या समझते हो।

(४) शाम के चार प्रसिद्ध नगरों के नाम मय प्रसिद्धता के लिखो।

प्राकृतिक दशा—यह वह देश है जो रूम सागर के पूर्वी साहिल पर है उसका एक भाग रूम सागर के कि·

नारे एक तङ्ग परन्तु उपजाऊ जमीन की पट्टी है बाकी हिस्सा प्लेटो है जो पूरब की ओर धीरे २ सूखा होता गया है यहां तक कि एक चट्टान और रेगिस्तान बनगया है स्थल की ओर कुछ दूर पर ज़मीन का छिलका दो समानान्तर लकीरों में फट गया और बीच की तङ्ग पट्टी ज़मीन में धस गई है यह घाटी १३०० फिट गहरी है मुर्दार झील या डेडसी इसी घाटी में है एशिया भर में यह स्थान सब से नीचा है ।

प्रसिद्ध स्थान-यूरोशिलम-यह स्थान ईसाइयों और मुसलमानों का पवित्र स्थान है ।

दमिश्क़-- बहुत पुराना नगर है एक नख़लिस्तान में बसा है यहां मेसो पोटामियां को जाने वाले जमा होते हैं अल्टोन के दामन में बसा है-हलब-का शीशा प्रसिद्ध है व्यापारिक नगर है ।

वैरुत—बन्दर स्थान है ।

नोट--तङ्ग और गहरी, नीची घाटी को अंग्रेज़ी में रोन्टवेली कहते हैं ॥

मेसोपोटामिया ।

प्रश्न-(१)-डलजज़ीरे (उपद्वीप) से क्या मुराद है और शतुॅल अरब से क्या समझते ।

(२) मेसोपोटामिया के एतिहासिक हाल बताओ ।

(३) नौशेरवां आदिल का वतन बताओ (४) बसरा-मोसल क्यों प्रसिद्ध हैं ।

प्राकृतिक दशा—दजला, फुरात नदी के मध्य का देश उपद्वीप कहलाता है क्योंकि यह नदियों के कारण से लगभग द्वीप सा बना रहता है इस कारण अरब वाले उलजज़ीरा कहते हैं मैदान है पर बारिश कम होती है परन्तु नदियों के होने से कुछ आवश्यता नहीं।

ऐतिहासिक वर्णन—किसी समय में तमाम देश में बहुत सी नहरें थी धनवान शहरों और निवासियों से भरा हुआ था परन्तु मध्य एशिया के तुर्कों की चढ़ाई के कारण बरबाद होगया। खेती की ज़मीनें चरागाह बनाई गई हैं इससे कुछ ज़मीन दलदली और बाकी रेगिस्तन होगई है आशा है कि फिर वैसी ही दशा में हो जावेगी।

प्रसिद्ध नगर—बगदाद मेसोपोटामिया का मुख्य नगर है और राजधानी भी है यह नगर ऐतिहासिक भी है खलीफ़ा हारूरशीद खलीफा यहां रहते थे नौ शेरवां आदिल यहीं हुए हैं।

बसरा—बन्दरगाह है यहां से रेल की सड़क कुस्तुनतुनियां और फारिस की खाड़ी को जाती है।

मोसल—दजला नदि के किनारे पर प्रसिद्ध नगर है।

नोट—(१) अनातोलिया-सीरिया-मेसोपोटामियाँ हैं यह सब हिस्से एशियाई रूम के हैं हर एक हिस्से का हाकिम पाशा है परन्तु यह सब रूम के सुल्तान के आधीन हैं।

(२) दजला, फुरात की मिली हुई धार को शतुल अरब कहते हैं।

(अरब)

प्रश्न१—एशिया में सबसे गर्म तथा खुश्क देश कौनसा है इसका यह नाम क्यों पड़ा और इस देश को मुसलमान मतका निकास क्यों कहते हैं।

(२) अरब देशकी तुलना हिन्दुस्तान के किस भाग से होसकती है उदाहरण सहित लिखो।

(३) हइजा-नजद-तिफद का विस्तरित हाल लिखो उसके देशी विभागो का हाल भी बताओ।

(४) अरब के वह शहर बताओ (१) जो मुसलमानों के पवित्र स्थान हैं (२) देश विभागो की राजधानी (३) वन्दरस्थान अधिकार सहित।

नाम पड़ने का कारण-अरब का अर्थ सुर्खरङ्ग का है चूंकि अरबी लोग इस रङ्ग के होते हैं इसलिये इसदेश का नाम भी अरब हुआ है (२) एक प्रकार की सूखा घास भी अरब कहलाती है जो वहां पर अधिक होती है इस लिये भी इसको अरब कहते हैं।

नामी होने का कारण—यह देश दुनिया के गर्म और खुश्क देशों में है और प्रथम मम्बर है मुहम्मद साहब इसलाम मत के नेता यहीं पैदा हुए थे जिन्हों ने प्रथम इसी देश में अपना मत फैलाया।

प्राकृतिक दशा—यह एक बड़ा प्रायद्वीप है लगभग सारा देशरेगिस्तान है जिसके तीन प्राकृतिक भाग हैं (१) उम्मान की खाड़ी वाला भाग जहां वर्षा होजाती है वह भाग आबाद तथा उपजाऊ है जो उम्मान कहलाता है (२) यमन

लालसागर पर है यहां भी वर्षा होती है और आबादी है (३) बाक़ी भाग रेगिस्तान है जो मध्य में है उसके भी तीन विभाग हैं (१) निफूद रेगिस्तान के उत्तरी भाग को कहते हैं जो बड़ा भयानक है (२) नज़द-रेगिस्तान का मध्य भाग नज्द कहलाता है इसमें बहुत से नख़लिस्तान हैं जहां पर खजूर अधिक होता है ऊंट और अरबी घोड़े इसी भाग में मिलते हैं (३) डहना- रेगिस्तान का दक्षणी भाग है इसमें कोई नख़लिस्तान नहीं है सदा रेत उड़ा करती है बड़ा भयानक है बाद समूम (गर्म) वायु इसी स्थान पर चला करती है ।

प्रसिद्ध नगर—मक्का दुनिया भर के मुसलमानों का तीर्थ स्थान है क्योंकि मुहम्मद साहब यहीं पैदा हुए थे काअबा भी यहीं है मदीना-यह नगर भी पवित्र तीर्थ स्थान है क्योंकि हजरत मक्के से यहां आए थे उसी समय से सन् हिजरी आरम्भ हुआ है ।

जद्दा—मक्के का बन्दर स्थान है मक्के के यात्री यहीं उतरते हैं सनआ-यमन देश की राजधानी और बन्दर स्थान है-मस्क़त-उस्मान की राजधानी है तिजारती नगर है

अदन—अँग्रेज़ों के आधीन है जो जहाज़ों का केन्द्र है इसी से यहाँ मोरचेबन्दी की गई है यहां जहाज़ों के लिये कोयला जमा रहता है जो बम्बई गवर्नरके आधीन है ।

तिजारती रास्ता [मार्ग]

प्रश्न-१-तिजारत किसे कहते हैं और वह कै प्रकार की होती है (२) पुराने समय में चीन देश का रेशम यरोप

को किस रास्ते से जाता था इसमें क्या २ बुराइयां थीं (३ पुराने समय में जहाज़ी रास्तों में क्या मुख्य बात होती थी यूरोप और एशिया का पुराना जहाज़ी रास्ता कौनसा था वह कब और किस प्रकार छोड़ा गया वर्तमान मार्ग कहाँ होकर जाता है।

नोट—[१]—सर्द ठण्डे देशों की पैदावार गर्म देशों से भिन्न होती है इसलिये आपस में बदल लेते हैं इसी को तिजारत कहते हैं [२] सैंकड़ों वर्षों से यूरोप ठण्डे देशों में और हिन्दुस्तान तथा हिन्द चीनी धनवान देश रहे हैं जो कि पैदावार और तिजारत के कारण से।

व्यापारिक वस्तुएँ—यूरोप वाले चीन से रेशम और हिन्दुस्तान से कीमती पत्थर मसाले और सूती कपड़े ले जाते थे और बदले में सोना और धातु की चीजें तथा सूती ऊनी कपड़े लाते थे।

मार्ग (रास्ता) १–स्थल में ऊंटों तथा घोड़ों के द्वारा सफ़र होता था (२) समुद्र में छोटे २ जहाज़ों से जो कि किनारे २ चला करते थे।

रेशमी मार्ग—रेशम की गठरियां ऊँटों और घोड़ों पर लादकर यांगटिसीक्याँग के मैदान से चीनी दीवार पार करके हन्हाई रेगिस्तान को पार करके तारीम बेसन के किनारे पामीर में लाये जाते थे फिर वहां से फारिस होकर बग़दाद में यहां से फुरात नदी से चढ़ाकर रेगिस्तान के पार समुद्र के किनारे एल्वो के निकट वहाँ से इटली के नगर वेनिस में आजाते थे।

इस रास्ते के दोष—(१) समय बहुत लगताथा (२) मार्ग में शेरों का भय था इसलिये हथियार बन्द लोगों का झुंड साथ रखना पड़ता था (३) पामीर के बर्फानी, तूफ़ानों में दबजाते थे (४) रेगिस्तान की गर्मी और प्यास से मर जाते थे।

हिन्दुस्तान से यूरोप का पुराना मार्ग—हिन्दुस्तान से फारिस की खाड़ी में फिर सड़क द्वारा बग़दाद होकर लाल सागर में स्वेज नहर को पार करके स्कन्द्रिया में होकर फिर वहां से रूम सागर को पार करके यूरोप में पहुँचते थे।

इस मार्ग की बुराई—(१)-ख़र्च अधिक होता था इस लिये चीज़ें तेज़ बिकती थीं (२) समुद्रीय डाकुओं का भय था क्योंकि इस समय में कुतुबनुमा न होने के कारण खुले समुद्रों में सफ़र नहीं होसकता था बल्कि किनारे २ चलते थे जब से कुतुबनुमा बनाया गया है तबसे उन रास्तों को छोड़ दिया गया है।

यूरोप से हिन्द का जहाज़ी रास्ता—इङ्गलिस्तान से चल कर अफ्रीका के दक्षिण में उत्तम आशा अन्तरीप का चक्कर लगाकर हिन्दुस्तान से चीनमें आते थे फिर चीन में जाते थे जिसमें एक वर्ष से अधिक लगता था।

तबदीली—अब से पचास वर्ष पहले स्वेज़ थल संयो जक को काट कर नहर बनादी गई है इसलिये ऊपर का मार्ग बहुत छोटा होगया अब केवल एक महीना के लग·

भग लगता है इसलिये लाल सागर तथा रूमसागर के रास्ते फिर जारी होगये (२) एक नई (सड़क ग्रेट साईबेरियन) उत्तर में बनाई गई है जिस से चीन से व्यापार सरलता से हो सकता है यह सड़क विलाडी वास्टोक से पैटरो ग्रेड तक है ।

नोट—एक नई सड़क रूम सागर से बसरे और बग़दाद को बनाई जारही है ।

एशिया में अन्य विदेशियों का अधिकार

अँग्रेज़ी—हिन्दोस्तान—ब्रह्मा—लंका-उत्तरी बोरनियो-अण्डमान—निकोबार (स्ट्रेटसेटलमेन्ट) सिंघापुर—पीनांग—मलाका—वेलज़ली—हाङ्कांग चीनमें और अदन, साईप्रस रूमसागर में ।

फ़रांसीस—पांडेचरी—कारीकाल—चन्द्रनगर—माही-हिन्दुस्तान में फ़रांसीसी इन्डो चाइना-सुमात्रा-ग़ोर का कुछ भाग ।

अमेरिकन—फिलपाइन द्वीप ।

पुर्तगेज़-गोआ-डामन-ड्यू-हिन्दुस्तान में मकाऊ चीन में।

डच—चंसरा हिन्दुस्तान में सुमात्रा—जावा, सिलीबीज़—मलकाज़—द० बोरनियो ।

एशिया के देशों की नामावली देश विभाग सहित ।

नम्बर	नाम देश	राजधानी	कैफ़ियत
१	एशियाई रूस	अर्कटस्क	जम्हूरी राज्य है
२	चीन	पेकिन	स्वराज्य
३	हिन्दुस्तान	देहली	पार्लीमेन्ट वृटिश
४	अरब	मक्का	भिन्न भिन्न राज्य
५	एशियाई टरकी	स्मरना	स्वराज्य
६	फ़ारिस	तोहरान	कोई नियम वद्ध राज्य नहीं
७	अफ़ग़ानिस्तान	काबुल	यहां का हाकिम अमीर काबुल है
८	बिलोचिस्तान	क़िल्लात	यहां का „ ख़ान कहलाता है
९	जापान	टोक्यो	स्वतन्त्र
१०	इन्डोचीन	„	इन्डो चाइना के पाठको देखो
११	लङ्का	कोलम्ब	वृटिश कानूनी

[परीक्षा प्रश्न]

(१) दुनिया में सबसे बड़ा महाद्वीप कौनसा है और क्यों, उसके नाम का कारण भी बताओ।

(२) एशिया का महाद्वीप अन्य महाद्वीपों से किन २ स्थानों से अलग होगया है और कहां पर औरों से निकट है।

(३) एशिया के मैदानों तथा पठारों का विस्तरित वर्णन करो।

(४) एशिया की उत्तरी नदियां कौन २ हैं उनका ढाल किधर को है और क्यों।

(५) वेसन किसे कहते हैं और वेसनों के जल विभाजक को क्या कहते हैं दोनों उदाहरण दो।

(६) एशिया के दक्षिण में कौन से तीन प्राय द्वीप हैं किसी एक का हाल लिखो।

(७) इन्डो चाइना का तर्ज़ हकूमत लिखो।

(८) एशिया में बृटिश अँग्रेज़–डचों–फ़रासीसियों के राज्य कहां २ हैं

(९) हिन्दुस्तान बाहर के हमलों से कैसे सुरक्षित है।

(१०) एशिया के पुराने सभ्य देशों का हाल बताओ।

(११) मानसून किसे कहते हैं उसके चलने का कारण भी बताओ हिन्दुस्तान में चलने वाली मानसून के नाम लिखो और यह नाम क्यों कर पड़े।

(१२) जाड़ों में मुंह से तथा कुओं से भाप निकलती क्यों मालूम होती है।

(१३) अरब और फ़ारिस की मुख्य दस्तकारी क्या हैं और क्यों।

(१५) आबोहवा तथा मौसम में क्या फ़र्क़ है।

(१६) अरब तथा हिन्द चीनी की आबोहवा की तुलना करो।

(१७) बरेली, नैनीताल लग भग एक ही देशांस पर स्थित है परन्तु हवा में अन्तर क्यों है।

(१८) लासा अपने आस पास के स्थानों से क्यों गर्म है

(१९) दक्षिणी प्रायद्वीप तथा अरब की तुलना करो।

(२०) टन्डरा तथा स्टेपीज़ के निवासियों और उनके रहन सहन तथा खानपान का मुक़ाबला करो।

(२१) रेशम-फल-हथियार किन देशों से मंगाने चाहियें।

(२२) पेकिन से यूरोप किन २ रास्तों से होकर जाना होगा (१) स्थल (२) जल का मार्ग बताओ।

(२३) द्वीप समूह में मौसम क्यों नहीं होते वहां कोई मनोहर दृश्य होतो बताओ क्या इन टापुओं को सूरज का बाग़ कह सकते हैं।

(२४) गर्म मसाले-घोड़े-कालीन किन२ देशोंके प्रसिद्ध हैं।

(२५) फ़ारिस के रेगिस्तान में गोबी की अपेक्षा सफर करना क्यों कठिन है।

(२६) प्रकृति ने आदमी के लिये आवश्यकतानुसार पशु बनाए हैं प्रमाण देकर बताओ।

(२७) सफ़ेद हाथियों का देश वामदुनिया-सूखा समुद्र से क्या समझते हो।

(२८) अरब का कौनसा भाग कठिन साध्य है और क्यों।

(२९) एशिया में-हिन्दुओं-मुसलमानों-बुद्धों-ईसाइयों के पवित्र स्थानों को बताओ।

(३०) कैसे कह सकते हो कि एशिया कुल बड़े २ मतों का केन्द्र है।

(३१) नीचे के देशों में किन्ही तीनों के विषय में प्राकृतिक दशा-पैदावार-प्रसिद्ध स्थानों को लिखो अरमीनिया—टेगा फारिस-सीरिया-चीन-मलाया की रियास्तें।

(३२) कलकत्ते से चीन का रास्ता कैसे कम हो सकता है तथा अदन, स्मर्ना का कैसे।

(३३) नहर स्वेज़ कहां है और वह कब बनी इस से क्या लाभ हुआ है।

(३४) चीन खानोंसे तो धनवान् है पर लाभ उठाने से क्यों अलग है।

(३५) गरम तय्यार किसे कहते हैं जापान के निकट होकर आनेवाली धारा का नाम और लाभ बताओ।

(३६) किस प्रकार कहसकते हैं कि कोहरा-बादल-ओस एक ही है प्रत्येक के बनने का सबब बताओ।

(३७) वर्षा होने के कारण लिखो।

(३८) साईकिल के ट्यूप से निकलने वाली हवा ठंडी क्यों लगती है।

(३९) एशिया के वे भाग कारण सहित बताओ जो उजाड़ रहते हैं।

(४०) टण्डरा-तिब्बत-अरब-हिन्दुस्तान के लाभ दायक जानवर कौन हैं उदाहरण सहित लिखो।

(१४) पहाड़ी स्थानों में मैदानी स्थानों से वर्षा कैसी होती है और क्यों।

(४१) निम्नलिखित क्या है और कहाँ हैं और क्यों प्रसिद्ध हैं।

विलाडी वास्टक—शतानू—सिंगापुर—ज़चवान—अरारात—तिफलिस-सरबिया-शिमला-शतुल अरब-अर्कटस्क

(४२) एशिया के ख़ाके में मैसोपोटामिया—स्टेप की पट्टी दिखाओ।

(४३) एशिया में सब से नीचा और सबसे ऊँचा स्थान सबसे बड़ा देश कौनसा है।

(४४) हिन्दुस्तान में ह्वांगहू—वेसन तारीम के मुकाबले की वस्तुएं बताओ।

(४५) एशिया के वह शहर लिखो जो ख़त सरताँ [कर्करेखा] और देशांस के ४० पर हों।

(४६) कोई पहाड़ किसी नगर की उन्नति-और सहायता में कैसे सम्मिलत होजाता है बम्बई से उदाहरण दो।

(४७) एशिया का बरतानिया और स्वीज़र लैराड क्या है और क्यों।

(४८) दक्षिणी पच्छमी एशिया में कौन २ हकूमतें हैं उनमें मुसलमानी राज्य कौन २ हैं।

(४९) हिन्द महासागर का एक नक्शा बना कर उसमें लङ्काद्वीप मालद्वीप—औरफारिस की खाड़ी के वन्दर स्थान दिखाओ।

(५०) रेगिस्तान की मुख्य पैदावार क्या है वहां के निवासी क्या खाकर गुज़र करते हैं।

(५१ पूरबी देशों की घाटियां पीली मिट्टी से क्यों भर गई हैं इसमिट्टी का क्या नाम है और उसमें क्या गुण हैं।

(५२) जाड़े के दिनों में एशिया के किन २ भागों में वर्षा होती है और क्यों।

(५३) एशिया के वह कौन से मुख्य टापू हैं जिनमें होकर भूमध्य रेखा गुज़रती है।

(५४) वह कौनसी वजूहात [कारण] हैं कि इन्डो चाइना और पूरबी द्वीपों के निवासी अधिक सुस्त हैं।

(५५) हिन्दुस्तान में अफग़ान लोग क्यों दिखाई देते हैं।

आवश्यक पुस्तकें।

(१) भूगोल द० ४ उर्दू हिन्दी	=)
(२) ,, ,, ५ ,,	=)
(३) ,, ,, ६ उर्दू हिन्दी	=)
(४) वर्नाक्यूलर फ़ायनल प्रबन्ध द० ५ व ६ व ७ को उर्दू।	।–)
(५) नूतन निबन्ध रचना द० ५ व ६ व ७ को	=)

मिलने का पता–

पं० मुरारीलाल बुकसेलर

मुरादाबाद।